# FÜHRUNGSKRÄFTETRAINING
# FÜHREN IN FÜHRUNGSSTUFE A

## PRÄSENZKURS

BayZBE
Bayerisches Zentrum für besondere Einsatzlagen

## INHALT

Im Lehrgang **Führen in Führungsstufe A** trainieren Führungskräfte aus allen Hilfsorganisationen in einer realitätsnahen Simulation mit Trainingseinheiten. Die Teilnehmer haben dabei die Möglichkeit in Live-Szenarien ihre bereits erlernten Führungskompetenzen umzusetzen. Bitte beachtet, dass das Training physisch und psychisch herausfordernd sein kann.

| | |
|---|---|
| **Gruppengröße** | bis zu 12 Teilnehmer |
| **Lehrgangsdauer** | 2 Tage (12 UE) |
| **Zielgruppe** | Führungskräfte aus allen HiOrgs mit Ausbildungsstand Führungsstufe A oder einer vergl. Qualifikation (Gruppenführer, Einsatzleiter Rettungsdienst, OrgL) |
| **Beginn / Ende** | 15:00 Uhr - 14:00 Uhr am Folgetag |
| **Preis** | 65,00 EUR inkl. Verpflegung, exkl. Übernachtung |
| **Termine** | www.bayzbe.de/termine |

## ZIELE - BENEFITS

Angelehnt an die etablierten Führungsstufen gemäß FwDV 100 trainieren die Teilnehmer mit modernster Simulationstechnik das Führen von Einsatzkräften ohne Führungseinheiten (bis zu einer Sträke von zwei Gruppen) insbesondere bei besonderen lebensbedrohlichen Einsatzlagen:

Inhalte:
- Führen von Einheiten ohne Führungseinheiten (Tätigkeit als Führungsperson der Führrungsstufe A)
- Agieren in der vorläufigen Einsatzleitung nach MAN-RL
- Befehlsgebung und Führungskreislauf
- Erkennen von besonderen und lebensbedrohlichen Einsatzlagen
- Ableitung von Maßnahmen zur Eigensicherung der unterstellten takt. Einheiten
- Erfassen, beurteilen und vermitteln von Lageinformationen (Infomanagement)
- Gewinnung und Verarbeitung von Rohdaten (Patientenzahlen, Vorsichtungsergebnisse)
- Beurteilung der Rohdaten und Ableitung für die weitere Befehlsgebung
- Trainieren der Schnittstellen in der Gefahrenabwehr bei besonderen und lebensbedohlichen Einsatzlagen
- Erlernen von Skills zur Bewältigung lebensbed. Einsatzlagen durch die nicht-polizeiliche Gefahrenabwehr

Die Trainingsinhalte zielen darauf ab, den Teilnehmern Handlungssicherheit beim Agieren als Führungsperson der Führungsstufe A zu vermitteln und bereits erworbene Kenntnisse zu festigen bzw. zu vertiefen.

- Feststellen und Beurteilen der Schadenslage aus taktisch-organisatorischer Sicht
- Durchführen Lageerkundung als Führungskraft in besonderen und lebensbedrohlichen Einsatzlagen
- Anwendung und Analyse einsatztaktischer Grundlagen der Einsatzführung
- Strukturierte Informationsgewinnung in besonderen und lebensbedrohlichen Einsatzlagen (Schnittstelle polizeiliche/nichtpolizeiliche Gefahrenabwehr)
- Festigen und anwenden der CRM-Leitsätze
- Trainieren von Führungsentscheidungen und Maßnahmenplanung in LbEL
- Verstehen und anwenden der Kenntnisse über die Eigensicherung und Menschenrettung in Gefahrenbereichen
- Erfahrungsaustausch

## TERMINE 2024

| 1 | Januar 24 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | MO | DI | MI | DO | FR | SA | SO |
| 1 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 2 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| 3 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
| 4 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 |
| 5 | 29 | 30 | 31 | | | | |

| 2 | Februar 24 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | MO | DI | MI | DO | FR | SA | SO |
| 5 | | | | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 6 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 7 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 8 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |
| 9 | 26 | 27 | 28 | 29 | | | |

| 3 | März 24 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | MO | DI | MI | DO | FR | SA | SO |
| 9 | | | | | 1 | 2 | 3 |
| 10 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 11 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 |
| 12 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
| 13 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 |

| 4 | April 24 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | MO | DI | MI | DO | FR | SA | SO |
| 14 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 15 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| 16 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
| 17 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 |
| 18 | 29 | 30 | | | | | |

| 5 | Mai 24 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | MO | DI | MI | DO | FR | SA | SO |
| 18 | | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 |
| 19 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 |
| 20 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 |
| 21 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 |
| 22 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | | |

| 6 | Juni 24 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | MO | DI | MI | DO | FR | SA | SO |
| 22 | | | | | | 1 | 2 |
| 23 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 |
| 24 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 |
| 25 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 |
| 26 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 |

| 7 | Juli 24 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | MO | DI | MI | DO | FR | SA | SO |
| 27 | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 |
| 28 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 |
| 29 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 |
| 30 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 |
| 31 | 29 | 30 | 31 | | | | |

| 8 | August 24 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | MO | DI | MI | DO | FR | SA | SO |
| 31 | | | | 1 | 2 | 3 | 4 |
| 32 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 |
| 33 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 |
| 34 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 |
| 35 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | 31 | |

| 9 | September 24 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | MO | DI | MI | DO | FR | SA | SO |
| 35 | | | | | | | 1 |
| 36 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 37 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| 38 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 |
| 39 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 |
| 40 | 30 | | | | | | |

| 10 | Oktober 24 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | MO | DI | MI | DO | FR | SA | SO |
| 40 | | 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 41 | 7 | 8 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 |
| 42 | 14 | 15 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 |
| 43 | 21 | 22 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 |
| 44 | 28 | 29 | 30 | 31 | | | |

| 11 | November 24 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | MO | DI | MI | DO | FR | SA | SO |
| 44 | | | | | 1 | 2 | 3 |
| 45 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 | 9 | 10 |
| 46 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 | 16 | 17 |
| 47 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 | 23 | 24 |
| 48 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 | 30 | |

| 12 | Dezember 24 | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | MO | DI | MI | DO | FR | SA | SO |
| 48 | | | | | | | 1 |
| 49 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 | 7 | 8 |
| 50 | 9 | 10 | 11 | 12 | 13 | 14 | 15 |
| 51 | 16 | 17 | 18 | 19 | 20 | 21 | 22 |
| 52 | 23 | 24 | 25 | 26 | 27 | 28 | 29 |
| 1 | 30 | 31 | | | | | |

Ziel ist es, den Teilnehmern Handlungssicherheit beim agieren als Führungsperson der Führungsstufe A zu vermitteln und bereits erworbene Kenntnisse zu festigen bzw. zu vertiefen. Dies wird durch die organisatorische Abwicklung von rettungs- und sanitätsdienstlichen Schadenslagen dargestellt. Die Lehrgänge basieren auf den in Bayern geltenden Vorschriften und Konzepten (BayRDG, BayKSG, MAN-RL, REBEL).

Für diesen Lehrgang besteht gem. Art. 17 Abs. 3 BayKSG die Möglichkeit der Freistellung und Entgeltfortzahlung. (Es gelten die Bestimmungen des BayKSG in der jeweils gültigen Form sowie die Vorgaben des Freistaates Bayern.) Antrag auf Erstattung nach Art. 17 Abs. 3 BayKSG